आभार

ईश्वर ने इस धरती पर मानव अस्तित्व की रचना की है। इस परिप्रेक्ष्य में जहाँ शारीरिक एवं मानसिक रूप से सामान्य जनसंख्या है वहीं दूसरी ओर जन्मजात या कालांतर में शारीरिक एवं मानसिक अक्षमता से ग्रसित वर्ग भी है। शारीरिक एवं मानसिक अक्षमता से होने वाली मनोसामाजिक समस्याओं के निदान हेतु पश्चिमी देशों में अनेक कार्यक्रम बनाये गये हैं जिनमें शारीरिक शिक्षा की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। भारतवर्ष में भी विकलांगों के शारीरिक एवं मानसिक विकास हेतु अनेक खेल प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं किन्तु इन खेल प्रतियोगिताओं का विकलांगों के मनोसामाजिक विकास में योगदान पर अध्ययन नगण्य हैं। अतः इस शोध कार्य के माध्यम से अध्ययननकर्ता द्वारा खेलों में भागीदारी का विकलांगों की भावनात्मक परिपक्वता एवं आत्म विश्वास का अध्ययन किया।

शोध कार्य के प्रेरणास्त्रोत आदरणीय डॉ. सी.डी. आगाशे, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) हैं, जिनका प्रेरणास्पद व्यक्तित्व एवं उत्साहवर्धक आशीर्वाद ने मुझे शोध कार्य के दौरान मनोबल प्रदान किया। शोध कार्य के दौरान उनके स्नेहपूर्ण व्यवहार एवं विचारों ने विषय एवं समस्या समाधान को पूर्ण रूप से उभारा नहीं अपितु सकारात्मक एवं सृजनात्मक चिंतन से मुझे कार्य करने की अदम्य प्रेरणा प्रदान कर मार्गदर्शन दिया एवं साथ ही अपना बहुमूल्य समय प्रदान किया, जिसके फलस्वरूप मेरा शोध कार्य पूर्णता की ओर अग्रसर हो सका।

डॉ. श्रीमती रीता वेणुगोपाल, आचार्य, डॉ. राजीव चौधरी, आचार्य, शारीरिक शिक्षा अध्ययन शाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा समय-समय पर शोध संसाधन एवं सुविधा उपलब्ध करायी, जिसके लिए मैं उनका आभारी हूँ।

डॉ. रवीन्द्र कुमार मिश्रा एवं श्री दिलीप तिर्की, सहायक संचालक, शारीरिक शिक्षा विभाग,

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर का मैं विशेष आभारी हूँ जिन्होंने शोध कार्य की प्रगति के दौरान निरंतर मेरा उत्साहवर्धन किया ।

सर्व शिक्षा विभाग, स्पेशल ओलपिंक टीम एवं पैराओलंपिक टीम का भी विशेष आभारी हूँ, जिन्होंने मुझे समय-समय पर साधन, सुविधाएँ उपलब्ध कराकर आँकड़ों के एकत्रीकरण में अपना सराहनीय सहयोग दिया ।

मैं अपने महाविद्यालय सेठ आर.सी.एस. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.) के शारीरिक शिक्षा विभाग एवं महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों विशेषकर डॉ. डी.एन. सूर्यवंशी, पूर्व प्राचार्य एवं प्राचार्य डॉ. किरण तिवारी का मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने शोध कार्य के दौरान हर संभव सहयोग प्रदान किया ।

शोध कार्य की पूर्णता के लिए मैं अपने माता-पिता के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करना अपना परम कर्त्तव्य समझता हूँ ।

मैं अपने पत्नी श्रीमती नीलम तिवारी का विशेष आभारी हूँ जिन्होंने मुझे शोध कार्य के दौरान सांख्यिकीय विश्लेषण के क्षेत्र में विशेष सहयोग किया । मैं अपनी पुत्री ओजस्वी तिवारी जिसकी मासूमियत और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण तथा प्रेरणास्पद बातों ने शोध कार्य के दौरान मेरा मनोबल बढ़ाया ।

मैं परिवार के सम्माननीय सदस्यों, मित्रों एवं सहयोगियों के साथ उन सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से शोध कार्य में अपना सहयोग प्रदान करते हुए निरंतर मेरा उत्साहवर्धन किया ।

प्रमोद कुमार तिवारी